

# आईआईटी और कंपनी एक मंच पर

**आईआईटी इंदौर द्वारा आयोजित द इंडस्ट्री-एकेडमिया कॉन्क्लेव शुरू**

इंदौर। आईआईटी इंदौर द्वारा आयोजित द इंडस्ट्री-एकेडमिया कॉन्क्लेव होटल फॉर्च्युन लैंडमार्क में शनिवार से शुरू हुआ। दो दिवसीय कॉन्क्लेव के शुभारंभ अवसर पर आईआईटी के शिक्षक व विभिन्न कंपनियों के अधिकारियों ने युवाओं को संबोधित किया। पैनल डिस्कशन का विषय था 'एकेडमिक सिस्टम कंपनी के लिए फायदेमंद है'। आईआईटी इंदौर के कॉर्डिनेटर रिसोर्स मोबाइलाइजेशन प्रो.एस खन्ना ने कहा कि आईआईटी इंदौर में कई रिसर्च प्रोजेक्ट जारी हैं। हम इंडस्ट्री के साथ बेहतर तालमेल कर शोध

**विभिन्न कंपनी के विशेषज्ञों ने दिया युवाओं को मार्गदर्शन**

कार्यों को और बेहतर करने की कोशिश करेंगे। यह कॉन्क्लेव शिक्षक, कंपनी और युवा तीनों के लिए काफी फायदेमंद होगा।

**बदलावों की सही जानकारी**

आईआईटी के निदेशक प्रो. प्रदीप माथुर ने कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य विज्ञान फॉर इनोवेशन है। हम लोग चाहते हैं कि आईआईटी इंदौर से कंपनियाँ जुड़ें और इसके बारे में जानें। भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। वाल्टो आयशर के



वाइस प्रेसिडेंट एके बिरला का संदेश कंपनी के अरुण डेविड ने बताया। उन्होंने बताया कि यह कॉन्क्लेव अपने आप में एक नई पहल है। इससे कंपनी और संस्थान दोनों एक मंच

पर आते हैं। हमें कंपनी के साथ शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे बदलावों की सही जानकारी मिल पाती है। उन्होंने बताया कि हम आईआईटी इंदौर के लिए रिसर्च ऑटोमेटिव इंजीनियरिंग के शॉर्टटर्म कोर्स भी प्लान कर रहे हैं।

**कॉन्क्लेव एक बेहतरीन आइडिया**

एमसीटीई महू के मेजर जनरल राजेश पंत ने कहा कि इंदौर मिनी मुंबई के नाम से पहचाना जाता है। यहाँ आईआईटी होना काफी अहमियत रखता है। मेरी राय में आईआईटी का अर्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंटेलेक्च्युल है। यह कॉन्क्लेव एक बेहतरीन आइडिया है। बैंक ऑफ इंडिया के डिप्टी जोनल मैनेजर एसके चोपड़ा और एजीएम ए. मदान ने बैंक के बारे में जानकारी दी। कॉन्क्लेव में माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, टीसीएस व वाल्टो कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी ने युवाओं को संबोधित किया। आभार डॉ. एसके विश्वकर्मा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने माना।